MR. DEPUTY-SPEAKER: I am not dividing. I am just following the order of the House. You please help me in keeping to the order of the House.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I shall do so with both hands. The question is: would you kindly ask the Government to make a statement on this? Sir, yesterday the Speaker had given a clear directive to the Government that they must make a statement on the floor of this House. Shri Raghu Ramaiah is here. Why is it that he is afraid of making a statement? What is there to hide? It is a political murder.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Order please.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Why do you shield him? Would you kindly go through the proceedings? (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is not in the order. Mr. Bosu, you will kindly cooperate.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I am only wanting the Government to tell us about this. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Singh, will you kindly come nearer?

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I can come nearer you.

MR. DEPUTY-SPEAKER: No please. (*Interruptions*).

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I only want the Government to make a statement. If you do not direct them to make a statement, we may have to walk out. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Singh.

14.08 hrs.

INDIAN RAILWAYS (SECOND AMENDMENT) BILL

श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा) : रेलवे का जो मामला चल रहा है वह कम्पेंसेशन के मुताल्लिक है । जो मरते हैं उन को कम्पेंसेशन मिलता है । इस लिए यह जरूरी है वह जो कह रहे हैं वह जरूरी नहीं है। वह सदन का समय बरबाद कर रहे हैं । आप मरने वालों को पचास हजार रुपया कम्पेंसेशन के तौर पर देने जा रहे हैं। लेकिन यहां मेरे समय का जो एक्सीडेंट हो रहा है, इसका कम्पेंसेशन मुझे क्या मिलने वाला है । इतना मेरा कीमती वक्त ये बरबाद कर रहे हैं इसका मुझे कम्पेंसेशन क्या मिलने वाला है । इसका कम्पेंसेशन मुझे इस रूप में दिया जा सकता है कि मुझे आपने जितना समय देना था उससे दस मिनट और अधिक दे दें — (इंटरप्शंस) मान्यवर कल मैं कह रहा था कि रेलवे में जो एक्सीडेंट होते हैं सब से पहले उन के कारणों पर विचार करना होगा । किस कारण ये होते हैं उनका पता लगाना होगा और उनका निवारण करना होगा । (व्यवधान) मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि रेल दुर्घटनाओं की जब बात हो रही है तो ज्योतिर्मय साहब बसु बीच में खलल डाल रहे हैं। इससे पता चलता है कि जो एक्सीडेंट होते हैं इस में इन का हाथ है । इसका कारण यह है कि जब मैं यहां इन एक्सीडेंट्स के बारे में बोल रहा हूं तो ये बीच में विरोध कर रहे हैं। ये जानते हैं कि रेलवे एक्सीडेंट्स का जहां तक ताल्लुक है इन के दल के द्वारा जो असामाजिक कार्य होते हैं, मैं उन का भंडा-

[श्री शंकर दयाल सिंह]

फोड़ कर दूंगा । इसलिए ये चाहते हैं कि मैं न बोलूं। अगर ये शांति पूर्वक सुनना चाहते हैं तो मैं अपनी बात को आपके सामने रखता हूं (व्यवधान) ।

मैं कल जब बोल रहा था तो मैं कह रहा था कि एक साल में कितनी दुर्घटनाएं हुई हैं। मैंने बताया था कि 1971-72 में 4950 दुर्घटनाएं हुई हैं जिन में 2619 व्यक्ति हताहत हुए। मान्यवर मैं ने यह भी कहा था कि पचास हजार की रकम कोई बड़ी रकम नहीं है । आप मुआवजा दे सकते हैं पर किसी की जिन्दगी चली जाय तो उसकी जिन्दगी आप वापिस नहीं दे सकते। एक व्यक्ति की जिन्दगी लाखों और करोड़ों रुपयों से बढ़ कर है और उस जिन्दगी के साथ अगर भारत में किसी ने खून की होली खेली है, तो सी० पी०एम० ने खेली है (व्यवधान) मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जब हम दुर्घटनाओं और कम्पेंसेशन की बात करते हैं, तो जो लोग दुर्घटनायें करवाते हैं, हम को उन के बारे में भी सोचना पड़ेगा । (व्यवधान) पिछले दिनों जहां भी रेल की पटरियां उखाड़ने, बम फेंकने और और दुर्घटनायें करवाने की वारदातें हुई हैं, उन की जांच से यह पाया गया है कि सी० पी०एम० और नक्सलाइट लोग उस में सब से आगे रहे हैं। (व्यवधान) अगर यह बात सही न होती, तो माननीय सदस्य मेरे भाषण का विरोध न करते। (व्यवधान) मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जैसे आज हमारी सरकार दुर्घटनायें रोकने के लिए कृतसंकल्प है, वैसे ही मैं भी इस बात के लिए दृढ़संकल्प हूं कि मैं माननीय सदस्य को बीच में नहीं बोलने दूंगा । (व्यवधान) उन को कोई हक़ नहीं है कि जब मैं कोई अच्छी बात कह रहा हूं, तो वह बीच में बाधा डालें (व्यवधान)

मैं बताना चाहता हूं कि भारतीय रेलवे से सत्तर लाख व्यक्ति प्रति-दिन यात्रा करते हैं कहने का अर्थ यह है कि रेल की पटरिया पर, रेल के डिबों में, सत्तर लाख लोगों की जिन्दगी होती है। (व्यवधान) इस जिन्दगी से खिलवाड़ करने का अधिकार इन को को नहीं है । मुझे दुख के साथ कहना पड़ता हैं कि जो सत्तर लाख लोग प्रति दिन रेलवे से ट्रेवल करते ते, उन की जिन्दगी के साथ ये खिलवाड़ करते हैं। (व्यवधान)

जहां तक इन दुर्घटनाओं के कारणों का सम्बन्ध है, सब से पहले यह सोचना चाहिए कि वे कौन से ऐसे तत्व, लोग और पार्टियां हैं, जिन का इस तरह की दुर्घटनाओं मे हाथ रहता हैं और ऐसे लोगों और ऐसी पार्टियों के खिलाफ़ .. (व्यवधान)

RE. DEATH OF TWO C.P.M. WORKERS IN RANIGANJ—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let Shri Jyotirmoy Bosu sit down now.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): No, I would not.

MR. DEPUTY-SPEAKER: If he does not sit down, then what can I do?

SHRI JYOTIRMOY BOSU: You are behaving in a manner which is unbecoming of the Chair.